सन्दर्भीकरण

जब किसी विषय पर शोध किया जाता है तो उसमें प्रयुक्त तथ्यों की पुष्टि करने के लिए किसी अन्य प्रतिष्ठित स्रोतों से तथ्यों का उपयोग किया जाता है, जिसमें पुस्तकें, पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, वेबसाइट या अन्य प्रकार के लेख शामिल है; इन स्रोतों को कैसे प्रयुक्त किया गया है, इसको बतलाना ही 'सन्दर्भीकरण' कहलाता है। अतः सन्दर्भीकरण किसी भी शोध में प्रयुक्त स्रोतों के उपयोग के लिए एवं मूल लेखकों को श्रेय देने का एक प्रमुख साधन है।

सन्दर्भीकरण शोधकार्य में अत्यन्त महत्वपूर्ण होता है क्योंकि यह शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किए गए तथ्यों और विचारों की मान्यता और विश्वसनीयता को सिद्ध करता है। सन्दर्भीकरण शोध की मान्यता और गुणवत्ता को बढ़ाता है। यह अत्यन्त प्राचीन अभ्यास है, जो शिक्षा और शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण रूप से स्थापित है। प्राचीन काल से ही ज्ञान और तथ्यों को संग्रहित करने के लिए 'सन्दर्भीकरण' का प्रयोग किया जाता रहा है।

वर्तमान में सन्दर्भीकरण के अन्तर्गत दो तकनीकें शाब सम्मिलित है –
- उद्धरण (Reference)
- सन्दर्भ सूची (citation)

→ जिसको किसी शोधपत्र के पाठ में उद्धृत (cite) किया जाता है उसे उद्धरण (citation) अथवा इन-टेक्स्ट

उद्धरण (in-text citation) कहा जाता है।

⇒ जब किसी शोधपत्र के पाठ में उद्धृत किए हुए तथ्यों के स्रोत को विस्तृत विवरण के रूप में सन्दर्भित किया जाता है तो उसे सन्दर्भ-सूची (Reference list) या अन्त पाठ उद्धरण (End-text citation) कहा जाता है।

⇒ सन्दर्भीकरण की आवश्यकता:

किसी भी प्रकार के शोध में स्रोत तथा तथ्यों की पवित्रता एवं प्रामाणिकता अनिवार्य है। सन्दर्भीकरण ही वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से तथ्यों और विचारों की पुष्टि किया जाता है -

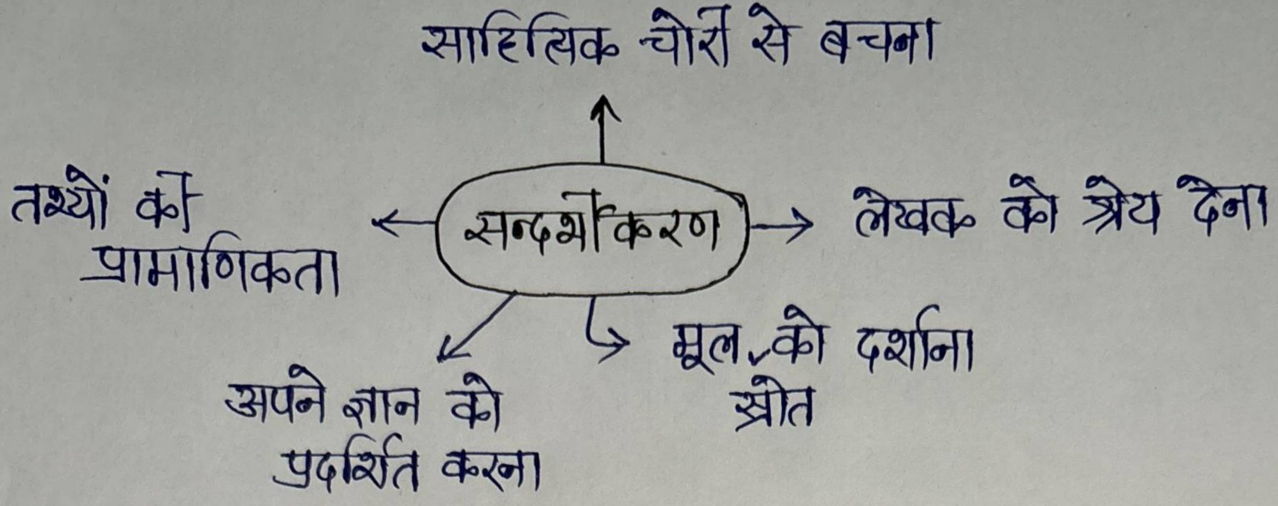
→ बौद्धिक सतता बनाए रखना या साहित्यिक चोरी से बचना।

→ सूचनाओं के स्रोतों का सम्यक् ज्ञान के लिए।

→ अन्य के कार्य को स्वीकृत करने तथा उनके प्रति सम्मान अभिव्यक्त करने के लिए।

→ अपने तथ्यों को वैधता और विश्वासनीयता प्रदान करने के लिए।

→



⇒ सन्दर्भ के तत्व :

सन्दर्भीकरण में कौन, कब, क्या और कहां इन चार प्रश्नों के उत्तर सम्मिलित है ; अत: इनके उत्तर ही सन्दर्भ के प्रमुख चार तत्व है ।

Who	When	What	Where
↓	↓	↓	↓
Author	Date	Title	Source
↓	↓	↓	↓
लेखक	तारीख	शीर्षक	स्त्रोत

→ लेखक तत्व : (Author Element)

लेखक से तात्पर्य है कि इस कार्य के लिए कौन जिम्मेदार है अर्थात उसका निर्माता कौन है । लेखक सामान्यत: किसी कार्य के लिए जिम्मेदार व्यक्ति (व्यक्तियों) या समूह (समूहों) को सन्दर्भित करता है। लेखक हो सकता है -

- एक व्यक्ति (An Individual)
- अनेक लोग (Multiple People)

- एक समूह (संस्था, सरकारी अजेंसी, संगठन आदि)
- लोगों और समूहों का संयोजन

→ तिथि तत्व (Date Element)

तिथि कार्य के प्रकाशन की तिथि को सन्दर्भित करती है। दिनांक निम्नलिखित में से किसी एक रूप में प्रस्तुत की जा सकती है-

- केवल वर्ष (Only Year)
- वर्ष, मास और दिन (Year, Month & Date)
- वर्ष और ऋतु (Year & Season)
- वर्ष और मास (Year & Month)

→ शीर्षक तत्व: (Title Element)

शीर्षक उद्धृत किये जा रहे कार्य के शीर्षक/Title को सन्दर्भित करता है। शीर्षक को दो व्यापक श्रेणियों में रखा जा सकता है-

- स्वतन्त्र: Whole books, Reports, Dissertations & Thesis, videos, Films, Albums, and Works on Websites.

- खण्ड: Periodical Articles, Edited book chapters, TV & Podcast episodes.

→ स्रोत तत्व (Source Element)

स्रोत यह इंगित करता है कि पाठक उद्धृत कार्य को कहां से पुनः प्राप्त कर सकता है। अधिकांश कार्यों के लिए स्रोत तत्व में स्थान की आवश्यकता नहीं होती है परन्तु कार्य के आधार पर एक DOI या URL भी शामिल हो सकता है।

⇒ सन्दर्भ स्टाइल (Reference Style):

सन्दर्भीकरण शोधकार्य में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण होता है। वर्तमान समय में सन्दर्भीकरण प्रक्रिया के कई माध्यम है -

- The Chicago Style
- MLA - Modern Language Association
- APA - American Psychological Association.
- The Columbia Style
- Harvard Referencing. इत्यादि,

इन सभी प्रकार माध्यमों कुछ प्रमुख बिन्दु ध्यातव्य निम्न है -

① Author Name:

② Date of Publication: Year, Month

③ Title of Reference: title of Book or Article

④ Publisher Information: Name, Publisher City

⑤ Information Separator: (. , : ; -)

⑥ Source Information : Page No, Issue, etc.

उपरोक्त माध्यमों में से शिकागो स्टाइल में निम्न प्रकार से स्रोतों को सन्दर्भित किया जाता है -

⇒ शिकागो स्टाइल (The Chicago Style) :

- पहली बार 1906 में शिकागो विश्वविद्यालय प्रेस द्वारा प्रकाशित किया गया था।
- अभी तक कुल 17 संस्करण प्रकाशित हो चुका है।
- सबसे नया संस्करण 2017 में प्रकाशित हुआ है।
- मानविकी (Humanities) में सबसे अधिक प्रसिद्ध है।

शिकागो स्टाइल के माध्यम से निम्न प्रकार से उद्धृत किया जाता है -

→ BOOK : Author's last name, First Name. Title: Subtitle. Edition. Place of Publication: Publisher, Date of Publication.

Ex = ऋषि, डॉ उमाशंकर शर्मा. संस्कृत साहित्य का इतिहास. वाराणसी: चौखम्बा भारती अकादमी, 2016.

काणे, डॉ पाण्डुरंग वामन. धर्मशास्त्र का इतिहास (1-5). लखनऊ: उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, 1963.

→ Thesis/Dissertation:

Author Last Name, First Name. "Title of Thesis." Type of Thesis, Name of Academic Institution, year.

Ex: मिश्र, गौरी शंकर. "धर्मशास्त्रोक्त न्याय पद्धति एवं उसकी प्रासंगिकता." PhD थीसिस, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, 2012.

पाण्डेय, देवेन्द्रनाथ. "धर्मशास्त्रीय प्रशासन व्यवस्था." पीएचडी थीसिस, काशी हिन्दु विश्वविद्यालय, 1989.

→ Journal:

Author's Last Name, First Name. "Title of the Article." Journal Title Volume, Issue No. (year): Page

मीना, कुमारी. "मनुस्मृति में वर्णाश्रम व्यवस्था." IJSRST Volume V, Issue III. (2010): 757-760